कक्षाओं में आत्मनिर्भर बनाने पर जोर होना चाहिए

पटना. चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआइएमपी) में सोमवार को हाइब्रिड मोड में 'तीसरे प्रबंधन केस सम्मेलन' का आयोजन हुआ. सत्र को मुख्य वक्ता एमडीआइ, गुड़गांव के प्रो आशुतोष दास ने बिजनेस स्कूल के लिए अच्छे मामले, शिक्षण नोट की विशेषताओं पर विचार-विमर्श किया. उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर बनाने पर कक्षाओं में जोर देना चाहिए. कक्षा में 90 मिनट तक चर्चा के साथ-साथ उत्प्रेरित करने के लिए दो से तीन सिद्धांतों का उपयोग करना चाहिए. मुख्य वक्ता विप्रो एंटरप्राइजेज के समूह मुख्य निवेश अधिकारी (उद्योग) कुमार अयशकांत ने विभिन्न कॉरपोरेट उदाहरणों और नियामक हस्तक्षेपों का उपयोग के बारे में जानकारी दी.

Prabhat Khabar ! Page.No-11! Dated:12-11-2024

सीआईएमपी ने हाइब्रिड मोड में तीसरे प्रबंधन केस सम्मेलन की मेजबानी की

पटना। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में सोमवार को हाइब्रिड मोड में 'तीसरे प्रबंधन केस सम्मेलन' का आयोजन हुआ. सत्र को मुख्य वक्ता एमडीआइ गुड़गांव के प्रो आशुतोष दास ने संबोधित किया, जिन्होंने बिजनेस स्कूल के लिए अच्छे मामले, शिक्षण नोट की विशेषताओं पर विचार-विमर्श क़िया. उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर बनाने पर कक्षाओं में जोर देना चाहिए. कक्षा में 90 मिनट तक चर्चा को के साथ-साथ उत्प्रेरित करने के लिए दो से तीन सिद्धांतों का उपयोग करना चाहिए. मुख्य वक्ता विप्रो एंटरप्राइजेज के समूह मुख्य निवेश अधिकारी (उद्योग) कुमार अयशकांत ने विभिन्न कॉर्पोरेट उदाहरणों और नियामक हस्तक्षेपों का उपयोग के बारे में जानकारी दी.

कार्यक्रम की शुरुआत सीआइएमपी के निदेशक प्रो राणा सिंह, प्रो रंजीत तिवारी, प्रो सुनील कुमार, प्रो विबाश कुमार, प्रो संतोष कुमार ने किया. प्रो राजीव रंजन, प्रो बिदानेश मिश्रा, कुमोद कुमार के साथ अन्य लोग मौजूद थे।

AAJ ! Page.No-08
Dated:12-11-2024